

श्रीरामव्याहोत्सव

श्रीमन्मन्त्रालयपरिव्रजनकार्य श्री ई. स्वामी गोविन्दायन
 जी की करुणा करान और आशा से
 श्री रुविचल श्रवणा कान्तिबोम्बर प्रसिद्ध नामक मन्त्रिदेवता से
जिसमें

अतिनलित दोहा चौपाई पद्य और संस्कृत श्लोकों में श्री महामन्त्र राजाधिराज सुवंश भूषण-
 रंगरथ कुमार परब्रह्म परमेश्वर श्रीरामचन्द्र और श्री गज्जनकनन्दनी जगज्जननी महारानीका
 विवाहोत्सव कथन विवाह की प्रियलौकिक शनि वर्णन और खादिने ग्रन्थकार की संज्ञावरी
 निरालासपुंकरचित्त हेवालव में ऐसा दिव्य उत्तमोत्तम ग्रन्थ कि जिसमें अनन्त मनोहर आशयों की पूर्ण



और दोहों और पद्यों में और वही संस्कृत श्लोकों में हो देखने में नहीं आया

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर सी. आर्. ई. के छापेखाने में छापी गई

नवम्बर सन् १९८६ ई.

रविवार ६-११-२७

इस किताब का नज़र महफूज़ है वह इस छापेखाने के